

कक्षा – 2

विषय – हिन्दी

पाठ – ऊँट चला





\*इसे ड्रोमेडरीज या अरेबियन या एक कबड़ वाला ऊँट कहते हैं। भारत में यह राजस्थान के थार रेगिस्तान में पाया जाता है।



\*इसे बैक्ट्रियन या दो कूबड़ वाला ऊँट कहते हैं ।  
यह भारत में जम्मू और कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में देखने को मिलता है ।



\*यह हमारे बहुत काम आता है -

1. बोझा ढोने हेतु ।
2. इससे दूध प्राप्त होता है ।
3. इससे मांस और खाल भी मिलता है ।
4. बैक्ट्रियन ऊँट के बालों से ऊन भी प्राप्त होता है ।  
जिससे शाल, कम्बल इत्यादि बनाए जाते हैं ।
5. यह रेगिस्तान की तपती रेत पर बहुत तेजी से दौड़ सकता है और बिना पानी के कम से कम सात दिनों तक जीवित रह सकता है । इसी लिए इसे "रेगिस्तान का जहाज" कहते हैं ।

## कविता – ऊँट चला



ऊँट चला, भई ऊँट चला  
हिलता डुलता ऊँट चला ।

इतना ऊँचा ऊँट चला  
ऊँट चला, भई ऊँट चला ।

ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ  
पीठ उठाए ऊँट चला ।



बालू है, तो होने दो  
बोझ ऊँट को ढोने दो ।

नहीं फँसेगा बालू में  
बालू में भी ऊँट चला ।

जब थककर बैठेगा ऊँट  
किस करवट बैठेगा ऊँट ?

बता सकेगा कौन भला  
ऊँट चला भई, ऊँट चला



# धन्यवाद



# जय भारत

